केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग परिचय : प्रश्नपत्र - १

रविवार, ६ मार्च, २०२२ समय : सुबह ९.०० से ११.१५ कुल गुण : ७५

स्वामिनारायण BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (४)	
	३ (४)	
	४ (५)	
	५ (५)	
	६ (६)	
	विभाग-१, कुल गुण (३३)	

☞ अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है ☜

बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।

परीक्षार्थी का जन्म दिन दिनांक ☐☐ महिना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर .....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (६)	
	९ (५)	
	१० (४)	
	११ (४)	
	१२ (४)	
	विभाग-२, कुल गुण (३२)	

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

परीक्षक के हस्ताक्षर .....

परीक्षक की नोंध :-

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	विभाग-३, कुल गुण	
	१३ (१०)	

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ આંકડામાં ☐

શબ્દોમાં .....

ચેકરનું નામ

☞ परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ ☜

१. परीक्षार्थी सत्संग प्रारंभ से प्राज्ञ - ३ तक की क्रमशः हर परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद ही अगली परीक्षा दे सकते हैं।

२. सत्संग शिक्षण परीक्षा के मुख्य दिन परीक्षार्थी के नामलिखित मुख्य पृष्ठ परीक्षा कार्यालय द्वारा प्रिन्ट करके भेजा जाता है। उसके अनुसार ही परीक्षार्थी को परीक्षा की श्रेणी (प्रारंभ, प्रवेश, परिचय आदि...) एवं माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) में परीक्षा देनी होंगी। **इसमें किसी प्रकार का परिवर्तन करके दी गई परीक्षा मान्य नही होगी।**

३. परीक्षार्थी को पूर्वकसौटी के प्रश्नपत्र की श्रेणी (प्रारंभ, परिचय, प्राज्ञ-१, केवल प्रथम.....) एवं परीक्षा के माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) अनुसार ही मुख्य परीक्षा देनी होगी। पूर्वकसौटी की जानकारी के अनुसार परीक्षा केन्द्र के मुख्य परीक्षा कार्यकर्ता को अंतिमसूची (Final List) भेजी जाती है, उसके अनुसार ही मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा देनी होगी। **अंतिमसूची से अलग दिये गए विवरणवाली परीक्षा रद्द मानी जाएगी और एसी उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।**

४. मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा खंड में उपस्थित हर एक परीक्षार्थी अपनी नामलिखित उत्तर पुस्तिका लेकर तथा उसमें मांगा गया अन्य विवरण (जन्म दिनांक, शिक्षा) लिखकर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर अवश्य करवा लें। **वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर बिना लिखी गई उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा।**

५. परीक्षार्थी केवल ब्लू या काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखें। पेन्सिल अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से **लिखी गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी।**

६. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे। अस्पष्ट और पढ़ा न जा सके, ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे। **एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावटवाली उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा।**

७. **परीक्षा खंड के बाहर** अथवा अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी।

८. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व अनुमति के बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'स्थानापन्न' या 'सबस्टीट्युट राइटर' अथवा 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका रद्द मानी जाएगी।**

९. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदावाद को पूर्व अवगत किए बिना, रजिस्टर्ड परीक्षा केन्द्र के बदले में अन्य परीक्षा केन्द्र से दी गई परीक्षा रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा।**

१०. सत्संग प्रवेश, परिचय, प्रवीण एवं सत्संग प्राज्ञ (प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्रों में रजिस्टर्ड हुए) के लिए परीक्षार्थियों को दोनों प्रश्नपत्रों की परीक्षा देनी अनिवार्य है। **किसी भी एक ही प्रश्नपत्र की दी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।**

११. **मुख्य परीक्षा के दिन उत्तर पुस्तिका के अलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।**

१२. **परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान** किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है।

१३. **प्राज्ञ की परीक्षा का फॉर्म भरने से पहले निम्नलिखित मुद्दे ध्यान में रखें।**

- परीक्षार्थी एक ही साल में दोनो प्रश्नपत्र दे सकता है। अथवा पहले साल में पहला प्रश्नपत्र और दूसरे साल में दूसरा प्रश्नपत्र दे सकता है। **पहले प्रश्नपत्र में उत्तीर्ण (पास) होने के बाद ही दूसरा प्रश्नपत्र दिया जा सकता हैं।** प्राज्ञ परीक्षा में केवल प्रथम प्रश्नपत्र या दूसरा प्रश्नपत्र देनेवाले को उत्तीर्ण होने के लिए उस प्रश्नपत्र में ४५ अंक प्राप्त करना आवश्यक है।
- जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनो प्रश्नपत्र में रजिस्ट्रेशन कराया हो और यदि वह परीक्षार्थी किसी एक प्रश्नपत्र में ही उपस्थित रहता है और दूसरे प्रश्नपत्र में अनुपस्थित रहता है, **तो एक प्रश्नपत्र की दी गई उत्तर पुस्तिका का मूल्याकंन नहीं किया जाएगा।** जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र दिए हों, उसे उत्तीर्ण होने के लिए ९० अंक प्राप्त करने होंगे।
- प्राज्ञ परीक्षा देने वाले सभी परीक्षार्थी कृपया ध्यान रखें कि जो परीक्षार्थी अलग-अलग साल में प्रश्नपत्र प्रथम और प्रश्नपत्र दूसरा देते हैं, उनको प्रथम प्रश्नपत्र ४५ या उससे ज्यादा अंक से उत्तीर्ण करने के बाद **दूसरा प्रश्नपत्र ज्यादा से ज्यादा एक ही साल के विराम के बाद देना होगा।** एक से ज्यादा साल की अनुपस्थिति के बाद दिया हुआ दूसरा प्रश्नपत्र स्वीकृत नहीं होगा। **ऐसे परीक्षार्थी को पुनः प्राज्ञ का प्रथम प्रश्नपत्र अथवा दोनों प्रश्नपत्र देने होंगे।**
- प्राज्ञ परीक्षा के पारितोषिक विजेता की सूची में आनेवाले परीक्षार्थी में से जिन्होंने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र एक साथ एक ही साल में दिया हो, **उनको १० प्रतिशत (फिसदी) अंक पुरस्कार के रुप में दिए जाएगें** और इस तरह परीक्षार्थी पुरस्कार के योग्य माना जाएगा।
- **नोंध :** जिस परीक्षार्थी ने **भारत की प्रवीण परीक्षा** उत्तीर्ण की हो, ऐसे ही परीक्षार्थी प्राज्ञ-१ परीक्षा दे सकते हैं।

१४. **अवैद्य रजिस्ट्रेशन!!! परिणाम नहीं मिलेगा!!!**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १ गुण - ९		नाम	प्र - २ गुण - ४		नाम	प्र - ३ गुण - ४		नाम

विभाग - १ : सहजानंद चरित्र

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसे और कब कहता है, यह लिखिए। (कुल गुण : ९)

१. ''वास्तव में दूध बहुत मीठा है, क्या इसमें शक्कर डाली है ?''

कौन कहता है ?..... किसे कहता है ?.....

कब कहता है ?.....

..... गुण : ३

२. ''यदि आप लोग मेरे स्वरूप की सर्वोपरिता समझे होते, तो आप उसे बिना बताये रह ही नहीं सकते थे।''

कौन कहता है ?..... किसे कहता है ?.....

कब कहता है ?.....

..... गुण : ३

३. ''हमारी जाति में युवा लड़के व्यसनी एवं दुराचारी होते हैं।''

कौन कहता है ?..... किसे कहता है ?.....

कब कहता है ?.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. २ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए चोरस कोष्टक में सही (✓) का निशान करें। (कुल गुण : ४)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। सभी सही विकल्पों के आगे ही सही का निशान किया होगा तो ही पूर्ण गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

१. बिशप रेजिनाल्ड हेबर से भेंट गुण : २

(१) ☐ गीता की प्रति देना चाहते थे। (२) ☐ उन्होंने ही सृष्टि का सृजन किया है।

(३) ☐ उन परमेश्वर को हम हिन्दु 'परब्रह्म' कहते हैं।

(४) ☐ धार्मिक ऊँचाई की दृष्टि से हम दोनों में कितना बड़ा अन्तर है।

२. शीतलदास से व्यापकानन्दजी गुण : २

(१) ☐ रामानन्द स्वामी को मिलने पर आनंदित (२) ☐ स्वामिनारायण मंत्र का जप

(३) ☐ मैं तुम्हें रामानंद स्वामी का दर्शन कराऊँगा। (४) ☐ रामानन्द स्वामीने दीक्षा प्रदान की।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ३ निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। (कुल गुण : ४)

१. बुरा ..... नहीं छोड़ोगे तो ..... छुड़ाएँगे। गुण : १

२. सत्संग के इतिहास में ..... शहर में सर्वप्रथम मंदिर का निर्माण हुआ और ..... देव की प्रतिष्ठा हुई। गुण : १

३. ..... शब्द में अपना समावेश मानकर ..... साधु बन गए। गुण : १

४. लोज में अन्नकूट महोत्सव में ..... के ..... हरिभक्त आये थे। गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ४ गुण - ५		नाम

प्र. ४ निम्नलिखित किसी भी <u>एक</u> प्रसंग पर १५ पंक्ति में संक्षिप्त नोंद लिखिए।(वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)

१. मूलजी सेठ की पत्नी को दृष्टि का दान

२. अकाल ने बिदा ली, सुकाल आया

३. लोलंगर का उपद्रव

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ५ गुण - ५		नाम	प्र - ६ गुण - ६		नाम

प्र. ५ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। (कुल गुण : ५)

१. महाराज ने किस को विवाह के भक्ति-गीतों की रचना करने की आज्ञा दी ? गुण : १

.....

.....

२. माला घुमाने के बाद बन्दर क्या बोलने लगा ? गुण : १

.....

.....

३. श्रीहरि ने मूलुखाचर को क्या बनने को कहा ? गुण : १

.....

.....

४. श्रीहरि और ज्हॉन माल्कम की भेंट राजकोट में कहाँ और किस दिनांक को हुई ? गुण : १

.....

.....

५. श्रीहरि ने कहाँ कहाँ मन्दिर बनवाये ? गुण : १

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☞ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ६ निम्नलिखित वाक्यों के बारे में कारण लिखिए। (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. गुणातीतानन्द स्वामी का शरीर कीचड़ से सना हुआ नहीं था, फिर भी श्रीहरिने उन्हें गले लगाया।

.....

.....

.....

..... गुण : २

२. संतो का पूरा पात्र श्रेष्ठ पकवानों से भर गया।

.....

.....

.....

..... गुण : २

३. मि. डनलॉप ने श्रीहरि को अहमदाबाद आने का निमंत्रण दिया।

.....

.....

.....

..... गुण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☞ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ७ गुण - ९		नाम	प्र - ८ गुण - ६		नाम

विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग - २

प्र.७ निम्नलिखित कथन कौन, किसे और कब कहता है, यह लिखिए। (कुल गुण : ९)

१. ''उनसे पूछिए कि वे यहाँ क्यों आई हैं ? क्या वह यहाँ रहेंगी ?''

कौन कहता है ?..... किसे कहता है ?.....

कब कहता है ?.....

.....

..... गुण : ३

२. ''हम उन्हें दूसरे अवतारों जैसा कैसे कह सकते हैं ?''

कौन कहता है ?..... किसे कहता है ?.....

कब कहता है ?.....

.....

..... गुण : ३

३. ''आपने मेरे पिताजी को भगवान श्रीकृष्ण के रुप में दर्शन दिया था।''

कौन कहता है ?..... किसे कहता है ?.....

कब कहता है ?.....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.८ निम्नलिखित विषय पर सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को यथार्थ घटनाक्रम के अनुसार लिखिए। (कुल गुण : ६)

विषय : दादाखाचर

१. एभल खाचर को श्रीहरि ने दिव्य रूप में दर्शन दिया। **२.** इस नीम वृक्ष के नीचे भगवान बैठेंगे। **३.** दादाखाचर ने कारियाणी में देहत्याग कर दिया। **४.** अपने महल में उस पौधे का रोपण कर दिया। **५.** लाखा पटेल से वह नीम का पौधा माँग लिया। **६.** विश्वानंद तथा बालेश्वरानंद नामक दो साधु। **७.** दादाखाचर भावनगर में रहते थे। **८.** कारियाणी के मूलूखाचर ने एभलखाचर को आमंत्रित किया। **९.** अपने पुत्र दादाखाचर तथा समग्र परिवार और राज्य को उन्होंने सहजानंद स्वामी को ही सौंपा। **१०.** सौराष्ट्र के गोहिलवाड क्षेत्र में उमरेठ नामक एक गाँव है। **११.** इस नीम वृक्ष के नीचे माताजी बैठेंगे। **१२.** संवत् १८५७ के पौष कृष्णपक्ष षष्ठी के दिन पुत्र-रत्न प्राप्त हुआ।

(१) केवल सही क्रमांक | | | | | | | गुण : ३ |

(२) यथार्थ घटनाक्रम | | | | | | | गुण : ३ |

सूचना : (१) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे। (२) यथार्थ घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ९ गुण - ५		नाम

प्र. ९ 'कृष्णजी अदा के द्वारा अक्षरपुरुषोत्तम उपासना का प्रवर्तन' - **प्रसंग पर १५ पंक्ति में संक्षिप्त नोंद लिखिए। (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १० गुण - ४		नाम

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। (कुल गुण : ४)

१. राघव भक्त की कीर्तन रचना में किस बात का वर्णन किया है ? गुण : १

.....

.....

२. दादाखाचर का भावनगर राज्य के साथ किस सम्बंध में मुकदमा चल रहा था ? गुण : १

.....

.....

३. शास्त्रीजी महाराज ने मूलजी ब्रह्मचारी की मूर्ति कहाँ प्रतिष्ठित की है ? गुण : १

.....

.....

४. अयोध्याप्रसादजी महाराज गुणातीतानंद स्वामी को देखकर क्या बोले ? गुण : १

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.११ निम्नलिखित वाक्य में से गलत शब्द को सुधारकर विषय के अनुलक्ष्य में सही वाक्य लिखिए। (कुल गुण : ४)

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

१. **अयोध्याप्रसादजी महाराज :** रघुवीरजी महाराज ने अपने उत्तराधिकारी सुपुत्र श्री भगवत्प्रसादजी महाराज को आचार्य के पद पर स्थापित किया। संवत् १९३४ माघ शुक्लपक्ष अष्टमी के दिन आचार्यश्री ने देह-त्याग किया।

उ. .....

.....

..... गुण : १

२. **मुकुन्दानन्द वर्णी :** एक बार एक बनिये की पुत्रवधू को उसके मायके से ससुराल बुलाने का काम काकाश्री ने मूलजी को सौंपा। वे बनिये के समधी के घर गए और समधी ने अपने पुत्र की बहू को मूलजी के साथ भेज दिया।

उ. .....

.....

..... गुण : १

३. **प्रेमसखी प्रेमानन्द स्वामी :** जिस समय वे झीणाभाई के दरबार में पहुँचे, उस समय शाम के ७:०० बज रहे थे। सभा शुरु होनेवाली थी, उसी समय आगंतुक संगीतज्ञों ने मुक्तानंद स्वामी का भजन सुनने की इच्छा व्यक्त की।

उ. .....

.....

..... गुण : १

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ११ गुण - ४		नाम	प्र - १२ गुण - ४		नाम

४. सद्‌गुरु श्री नित्यानन्द स्वामी : काशीपुरी, वृंदावन आदि पवित्र तीर्थों में उन्होंने आरती की, आश्रमों का दर्शन किया, लेकिन भगवान की प्राप्ति का उसका ध्येय न सिद्ध हुआ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१२ निम्नलिखित वाक्यों के बारे में कारण लिखिए। (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ४)

१. कमलनयन शास्त्री की इन्द्रियों की वृत्तियों का वेग शांत हो गया।

.....

.....

.....

..... गुण : २

२. हरगोविन्ददासजी ने सभी को एक-एक लड्डु दिया।

.....

.....

.....

..... गुण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

विभाग - ३ : निबंध

प्र.१३ निम्नलिखित किसी <u>एक</u> विषय पर करीब ३० पंक्ति में निबंध लिखिए । (कुल गुण : १०)

१. बी.ए.पी.एस. संस्था के केन्द्रों की विविध प्रवृत्तियाँ
२. शांति का राजपथ: प्राप्ति की सोच
३. सर्वावतारी भगवान श्री स्वामिनारायण : दिव्यधामों के दर्शन

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १३ गुण - १०		नाम

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें